

पत्रावली पेश हुई . P.O. सहय अन्य  
कार्य में व्यस्त है । पत्रावली आईन्दा  
दिनांक... 27.12.24... को पेश है ।  
२

वादी/उत्तरवादी के  
समसंज्ञा होने से  
काश्चा, उम्मादिपत्र  
को विद्वे करता है

मानाक्षर  
(अधिसूचना)

27/12/24

पत्रावली पेश हुई वकील वादी उपस्थित हैं। वकील वादी  
पत्रावली विद्वे करना चाहते हैं। इस बाबत वकील वादी  
द्वारा पत्रावली आवेदिनांक पर टिप्पणी अंकित की।  
वकील वादी का सुना गया। वकील वादी द्वारा इष्यन  
किये गये कि वादीगणों तथा प्रतिवादीगणों के मध्य समसंज्ञा  
होजाने से वादीगणों द्वारा पत्रावली पर अग्रिम कोई  
कार्यवाही नहीं चाहेगी है। ऐसी स्थिति में पत्रावली  
पर ~~कोई~~ कोई कार्यवाही अपेक्षित नहीं रह जाती है। अतः  
पत्रावली पर कार्यवाही इसी स्तर पर समाप्त की जाती है।  
पत्रावली फैलल शुमार है। (नम्बर रोक छोड़ कर अग्रिम  
दफतर है।)

↓  
SDO, BHINAR